SAARTHI ACADEMY

MODEL ANSWER KEY (WORLD HISTORY & HINID GRAMMAR)

RAS MAIN TEST PAPER FIRST 2018

1. **औद्योगिक क्रांति का भारत पर क्या प्रभाव पडा?**

उत्तर – भारत ब्रिटेन का आर्थिक उपनिवेश बना क्योंकि कच्चे माल, निवेश और बाजार हेतु भारत का भरपूर उपयोग हुआ। कृषि का वाणिज्यिकरण उद्योगों का विनाश, पूंजीवाद पर बल महत्वपूर्ण प्रभाव थे।

2. **साम्राज्यवाद के प्रबल कारण बजाइए?**

उत्तर – उग्र राष्ट्रवाद की भावना, पूंजीवाद/वाणिज्यवाद, यूरोपीय सभ्यता का प्रसार सैन्य ताकता को मजबूत करना, ईसाई धर्म प्रसार इत्यादि साम्राज्यवाद के प्रबल कारक थे।

3. **पुनर्जागरण का प्रारम्भ इटली से ही क्यों हुआ?**

उत्तर – इटली की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक स्थिति, कुस्तुन्तुनिया का पतन, वहां के समृद्ध नगर आर राज्य तथा इटली के विद्धानों की मुख्य भूमिका रही।

4. **प्रबोधन काल और पुनर्जागरण में अन्तर बलाइए?**

उत्तर – **प्रबोधन काल** – वही ज्ञान महत्वपूर्ण जिसका वास्तविक/व्यावहारिक जीवन में उपयोग

– इस काल का मध्यम वर्ग शक्ति और आत्मविश्वास से युक्त

– प्रभाव केवल युरोप तक

पुनर्जागरण – सैद्धांतिक ज्ञान महत्वपूर्ण

– मध्म वर्ग आत्मविश्वास से युक्त नहीं

– प्रभाव समूचे विश्व पर

5. **WOLFF CONVENTION 1885 (वोल्फ कन्वेशन 1885)?**

उत्तर – इग्लैण्ड तुर्की के मध्य समझौता जिसमें दोनों मिलकर मिश्र में कार्य करेंगे आर वहां व्याप्त समस्याओं का निराकरण करेंगे।

6. **उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद से अफ्रीका पर पडने वाले प्रवाव संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए।**

उत्तर – **सकारात्मक प्रभाव** – बुसेल्स सम्मेलन 1876 में अफ्रीका में अनुसंधान और व्यापार प्रोत्साहित हुआ, कांगो, नाइजीरिया जैसे अज्ञात क्षेत्रों का पता लगाकर अफ्रीका में सभ्यता का प्रसार हुआ। आधुनिकता और नवाचार को बढावा मिला।

नकारात्मक प्रभाव – इंग्लैण्ड, फ्रांस , इटली ,जर्मनी जैसे देशों द्वारा अफ्रीका की लूट, नागरिकों का शोषण तथा दमन औपनिवेशिक ताकतों द्वारा खनिज और प्राकृतिक संसाधनों का पलायन, धर्मिक सोच का अनावश्यक दबाव, आर्थिक,सामाजिक और राजनीतिक रूप से अतिक्रमण,

SAARTHI ACADEMY

रंगभेद, जातिवाद व सांप्रदायिकता को बढावा तथा उपर्युक्त राष्ट्रा द्वारा साम्राज्य विस्तार की प्रबल महत्वाकांक्षा के कारण विश्व युद्ध जैसी स्थिति का जन्म।

7. **प्रतिधर्म सुधार आन्दोलन पर टिप्पणी कीजिए।**

उत्तर – 16 वीं सदी में प्रोटेस्टेंट आन्दोलन के समानान्तर व उसके प्रतिवाद स्वरूप कैथोलिक चर्च में सुधार के लिए आन्दोलन हुआ, जिसे प्रतिधर्म सुधार आन्दोलन कहते है। इससे कैथोलिक धम के सिद्धांतों की पुनः व्याख्या हुई, कैथोलिक चर्च के बीच एकता स्थापित हुई, चर्च में व्याप्त निराशा दूर हुई तथा आत्मविश्वास की भावना का संचार हुआ। संगठनात्मक तथा सैद्धांतिक सुधारों हेतु जेसुइट संघ, इन्क्वीजीशन तथा ट्रेन्ट परिषद का गठन हुआ जिससे कैथोलिक सिद्धान्तों की पुनः समीक्षा हुई धर्म विरोधियों के लिए कठोर कानुन लागू हुआ तथा कैथोलिक धर्म की सेवा, प्रचार तथा रक्षा हुई। इसीलिए इसे धर्मसुधार आन्दोलन के महत्वपूर्ण परिणामों में गिना जाता है।

8. **पुनर्जागरण क विभिन्न क्षेत्रां में क्या परिणाम रहे। विश्लेषण किजिए?**

उत्तर – पुनर्जागरण न केवल नवाचार बल्कि मानव जीवन के प्रत्येक बिन्दु जैसे साहित्य, कला, विज्ञान, राजनीति, समाज भूगोल तथा अर्थव्यवस्था इत्यादि क्षेत्रों पर प्रभाव छोडने में सफल रहा। प्रमुख क्षेत्रों पर प्रभाव निम्न है–

1. **कला के क्षेत्र में** –: इटली के जिओटो, लियोनार्डी द विंचि, माइकल एंजेलों द्वारा प्रकृति और जनसाधारण को महत्व देने वाली आकर्षक जीवंत और अद्भूत चित्रकला का विकास हुआ। माइकल एंजेलो, लारेन्जो गिबर्टी तथा दोनातेलो जैसे मूर्तिकारों में बुद्धिवादी चेतना ओर यथार्थवाद आधारित मूर्तिकला का विकास किया तथा स्थापत्य कला के माध्यम से ग्रीको रोमन शैली और संगीत में मधुर और लयपूर्ण, नव वाद्य यंत्र लौकिक संगीत को बढावा मिला।

2. **साहित्य** –: दाँते, पैट्रार्क, बोकासियों, विलियम शेक्सपियर, स्पेन्सर, मूर, इरेस्मस जैसे साहित्यकारों के कारण अन्य देशी भाषाओं में साहित्य का विकास, मानवजीवन को साहित्य की विषय वस्तु तथा साहित्यकारों ने रचनाओं के माध्यम से धार्मिक खोखलेपन, शासक वर्ग की निरंकुशता को उजागर किया और बौद्धिक चेतना का प्रसार किया।

3. **राजनीतिक क्षेत्र** –: राजनीति–धर्म पृथक्करण, सामन्तवादी स्तम्भ कमजोर करना तथा मेकियावली, दाँते इत्यादि के विचारो से नई राजनीतिक अवधारणाओं को बल मिला।

4. **विज्ञान क्षेत्र** –: फ्रांसिस बेकन, कोपरनिक्स, गैलिलियों, केपलर, विलियम हार्वे इत्यादि के सिद्धांतों से तर्कवाद, नवाचार और वैज्ञानिकता को बढावा मानववाद से बौद्धिक विकास को प्रोत्साहन तथा स्वतंत्र विचोरों की प्रेरणा, सिद्धांतों का सार्वभौमिक प्रयोग और यहा तक की भौगोलिक खोजों से नए विश्व के बारे में जानने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई। दुससे धर्मसुधार और प्रबोधन काल की भी नींव रखी गई।

सामान्य हिन्दी

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए –

1. **प्रातः + स्मरण** = प्रातस्स्मरण

2. **योग + ऋषि** = योगर्षि

3. **प्र + आंगन** = प्रागंण

SARTHI ACADEMY

4. **पितृ + अनुमति** = पित्रनुमति

2. निम्नलिखित शब्दो का संधि–विच्छेद कीजिए –

1. **लघूर्मि** = लघु + ऊर्मि

2. **द्राक्षासव** = द्राक्षा/द्राक्ष + आसव

3. **प्रौढ़ा** = प्र + ऊढ़ा

4. **उत्थान** = उद् + स्थान

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए–

1. **चिन्मय** = चित् + मय

2. **अकिंचन** = अं + किंचन/अ + किम + चन

3. **परिषद्** = परि + सद्

4. **बहिरंग** = बहिः + अंग

4. निम्नलिखित उपसर्गो के संयोग से 2–2 शब्द बनाइए –

1. **प्र** = प्रणीत, प्रदान

2. **बिला** = बिलानाम, बिलाशर्त, बिलावजह, बिलाकानुन, बिलाशक

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग कीजिए–

1. **अभीप्सा** = अभि + ईप्सा

2. **अतीत** = अति + इत

6. निम्नांकित शब्द और प्रत्यय के योग से सही शब्द बनाइए–

1. **लूट + एरा** = लुटेरा

2. **कूद + अक्कड़** = कुदक्कड़

3. **कतर + नी** = कतरनी

4. **गुरु + इमा** = गरिमा

7. निम्नाकित शब्दों में से प्रत्यय अलग कीजिए–

1. **दिखाऊ = दिख + आऊ**

SARTHI ACADEMY

2. **खिलौना** = खेल + औना

3. **गायक** = गै (गाय्) + अक

4. **भुलक्कड़** = भूल + अक्कड

8. निम्नांकित शब्द युग्म का अर्थ भेद कीजिए–

1. सुधि – सुधी = याद – बुद्धिमान

2. परिताप – प्रताप = दुःख – पराक्रम

9. निम्नाकित शब्द युग्म का अर्थ भेद स्पष्ट किजिए।

1. अधम – अधर्म = निकृष्ट – पाप

2. संप्रति – संप्राप्ति = अब – प्राप्त होना

10. निम्नाकिंत वाक्यांशो के लिए एक सार्थक शब्द लिखिए–

1. सम्मान में दी जाने वाली भेंट – नजराना

2. सामाजिक मान–मर्यादा के विपरित कार्य करने वाला – वामाचारी

11. निम्नांकित वाक्याशों के लिए सार्थक शब्द लिखिए–

1. सूर्योदय से पहले दो घड़ी तक का समय – ब्रह्ममुहूर्त

2. किन्ही घटनाओं का कालक्रम से किया गया यथा तथ्य वर्णन – इतिवृत

12. निम्नांकित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए–

1. सत्संग करने के समस्त प्राणि मात्र का कल्याण है – सत्संग करने से प्राणी मात्र का कल्याण है।

2. युग की मांग का यह बीड़ा कौन चबाता है। – युग की मांग का यह बीड़ा कौन उठाता है।

13. निम्नांकित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए–

1. मैनें एक वषं तक उनकी प्रतीक्षा देखी – मैंने एक वर्ष तक उनकी प्रतीक्षा की।

2. प्रत्येक घोड़े तेज गति वाले नहीं होता। – प्रत्येक घोड़ा तेज गति वाला नहीं होता।

14. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

1. व्यवहरित – व्यवहृत

2. वांगमय – वाड़मय

3. श्वसुर – श्वशुर

SARTHI ACADEMY

4. षड़यंत्र – षड्यंत्र

15. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द छांटिए–

1. शंभू, षष्ठी, श्राप – षष्ठी

2. वैश्स, वैश्या, वेभव – वैश्य

3. भागवत्, भृकुटी, भानु – भानु

4. प्रज्वलित, पोषाक, प्रफुल्लित – प्रज्वलित

16. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में सटीक प्रयोग करें–

1. सूरज को दीपक दिखाना – सुविख्यात एवं सुपरिचित का परिचय देने की कोशिश करना

प्रयोग : एक समारोह में स्थानीय नेता ने मुख्यमंत्री का परिचय देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी कौन नहीं जानता, इसके बारे में परिचय देना सूरज को दीपक दिखाने के समान ह।

2. कच्चा चिट्ठा खोलना – किसी की कमजोरियां को विस्तार से बताना।

17. निम्नांकित मुहावरों का वाक्य में सटीक प्रयोग करें –

1. अक्ल के घोड़े दौड़ना – केवल कल्पनाएं करते रहना

(अक्ल के घोड़े दौड़ाते रहने से कुछ नहीं होगा जमकर मेहनत करनी होगी तभी सफलता मिलेगी।)

2. अपना उल्लू सीधा करना – अपना स्वार्थ पूरा करना

(आज लोग देशहित में नहीं सोच रहे, सब अपना–अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए है।)

18. निम्नलिखित कहावतों/लोकोक्ति का भावार्थ बताए–

1. सावन हरे ने भादों सूखा – हमेशा एक जैसा रहना।

2. आँख का अंधा गाँठ का पूरा – मूर्ख किंतु संपन्न।

(मोहित में कोई खास अक्ल नहीं है पर उसकी फैक्ट्री से उसको खूब आमदनी हो रही है। यह तो वही बात है कि आँख का अंधा गांठ का पूरा।)

19. निम्नलिखित कहावतो/लोकोक्ति का भावार्थ बताए–

1. साँप छछूँदर की गति होना – दुविधा में पड़ना

(बदमाशों के अत्याचार सहना भी मुश्किल और पुलिस में शिकायत करने से भी समस्या हल नहीं हागी क्योंकि वे बाद में बदला लेंगे। यह तो साँप छछूँदर की जैसी गति है।)

SARTHI ACADEMY

2. आगे नाथ न पीछे पगहा – पूर्णतः अनियंत्रित

(कमल के माता पिता तो पहले ही गुजर गए थे अब यहां से उसके बड़े भाई का भी तबादला हो गया । अब तो वह रहा सहा भी बिगड़ जाएगा। अब कौन है उसको टोकने वाला अब तो आगे नाथ न पाछे पगहा।)

20. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिए–

1. **DEPUTATION** = प्रतिनियुक्ति

2. CONFISCATE = जब्त रहना/ अधिहरण करना

21. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिए–

1. **MODUS OPERANDI** = कार्य प्रणाली

2. PROBATION PERIOD = परिवीक्षाकाल

22. निम्नलिखित शब्दों के चार – चार पर्यायवाची लिखिए–

1. **गौरव** – बड़प्पन, महत्व, गुरुत्ता, सम्मान मान
2. **धनुष** – धनु, कोदंड़, शरासन, कमान, चाप विशिखासन

23. निम्नलिखित शब्दों के चार– चार पर्यायवाची लिखिए–

1. **चन्द्रमा** – चन्द्र, शशि, निशाकर, सोम, विधु, कलानाथ, सुधाकर
2. **कालिन्दी** – रवितनया , जमुना, तरणि, तनुजा, सूर्यजा, कृष्णा

24. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. **गरिमा** – लघिमा
2. **अथ** – इति

25. निम्नालिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. **स्थावर** – जंगम
2. **नश्वर** – शाश्वत

SARTHI ACADEMY

SARTHI ACADEMY

SARTHI ACADEMY